विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

रूपम कुमारी, वर्ग -दशम् , विषय-हिन्दी

दिनांक-७/६/२०

// अभ्यास-सामग्री //

जीवन-धारा.....

महर्षि वेदव्यास ने कहा है –" विद्या के समान कोई नेत्र नहीं है ।".

वार्त्तालाप:

1. ***बच्चों कल की दी गई सामग्री का अभ्यास आपने कर लिया होगा ।आज फिर से उसी प्रकार के अभ्यास सामग्री को लेकर आई हूं ताकि आप वाच्यों को***

पहचानने और बदलने में पूरी तरह से अभ्यस्त हो जाएं ।

निम्नलिखित वाक्यों के वाक्य पहचानें तथा उसे कर्तृवाच्य में बदलें ---

- ***छात्रों के द्वारा स्कूल साफ किया गया है ।***
-
- ***नानी द्वारा कहानी सुनाई जाती है ।***
- ***लड़कों द्वारा हंसा नहीं जाता ।***
- ***लड़कियों द्वारा रात रात भर पढ़ा गया ।***
- ***वेदव्यास द्वारा महाभारत लिखा गया ।***
- ***बालकों द्वारा फुटबॉल खेला गया ।***
- ***सुमित द्वारा कविता पढ़ी गई ।***
- ***राजा द्वारा प्रजा को कष्ट दिए गए ।***
- ***मीना द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है ।***

- ***आज घूमने चला जाए ।***
- ***हलवाई द्वारा मिठाई बनाई गई ।***
- ***सचिन से अच्छा क्रिकेट खेला जाता है ।***
-

कैसे पहचानें – उपर्युक्त वाक्यों में अगर आपको कर्म वाच्य तथा भाव वाच्य पहचानने में दिक्कत हो रही है तो संबंधित वाक्य में सबसे पहले कर्म को ढूंढने की कोशिश करें ।जिस वाक्य में कर्म मिल गया वह कर्मवाच्य होगा जिसमें कर्म नहीं मिला समझिए कि भाव वाच्य है ।अगर कर्म को ढूंढने में परेशानी हो रही है तो संबंधित वाक्य में क्या से प्रश्न करें अगर उत्तर मिल गया तो समझे कि कर्म मौजूद है अगर उत्तर नहीं मिला तो

समझें कि यह वाक्य बिना कर्म का है।
अर्थात भाववाच्य है ।

क्योंकि यहां सारे वाक्य ही कर्तृवाच्य में बदलने वाले हैं इसलिए कर्तृवाच्य नहीं हैं ।

आज बस इतना ही, शेष के लिए उत्साहित रहें .....

धन्यवाद !